MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is not discussing that ...(Interrputions)... पाणि जी, आप बैठिए।

श्री राजीव शुक्ल: सर, मॉक असेंबली।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is saying Mock Assembly, not the Assembly.

श्री राजीव शुक्ल: सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि यह जिम्मेदारी गुजरात सरकार के गृह मंत्रालय की है, इसलिए वहां की सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

डा. प्रभा ठाकुर (राजस्थान): महोदय, मैं समर्थन करती हूं।

श्री प्रवीण राष्ट्रपाल (गुजरात): महोदय, मैं समर्थन करता हूं।

प्रो. अलका क्षत्रिय (गुजरात): सर, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री धर्म पाल सभ्रवाल (पंजाब): सर, मैं भी इससे एसोसिएट करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next, Shri Veer Pal Singh.

श्री एम. वेंकैया नायडु: वे चिदम्बरम जी से इस्तीफा मांग रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: चिदम्बरम जी का नहीं है।

श्री एम. वेंकैया नायडु: उन्होंने गृह मंत्री कहा है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will look into it. *...(Interruptions)...*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, with your permission, I would like to assoicate myself with the seriousness of the issue and would request the Members and also the country not to politicise the issue. I have figures for the last seven years. In every Congress-ruled State, a number of people have died. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have called Shri Veer Pal Singh.†Ö¯Ö बोलिए, I have called the next speaker *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...* आप बोलिए। Nothing is going on record. *...(Interruptions)...* Nothing is going on record. *...(Interruptions)...* अलका जी, आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... शुक्ल जी, आप बैठिए। Please sit down. Please sit down. *...(Interruptions)...*Mr. Veer Pal Singh. *...(Interruptions)...*Nothing is going on record.

Building of bunkers by Pakistan on India-Pakistan border

श्री वीर पाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा इस सदन के माध्यम से देश के सामने रखना चाहता हूं। कल ही सीमा सुरक्षा बल के स्पेशल डी.जी. की प्रेस कांफ्रेस हुई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और हिन्दुस्तान की जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा है, उस पर बांध की आड़ में कंक्रीट के बंकर बनाए जा रहे हैं और चौकियां भी स्थापित की जा रही हैं। महोदय, यह देश की सुरक्षा का सवाल है। हम, आप, यह सदन और देश की जनता तभी सुरक्षित रह सकते हैं जब यह देश सुरक्षित रहेगा। हमारे पड़ोसी देश की ओर से एक बार नहीं, कई बार कहीं गोलीबारी की जाती है, कहीं बंकर स्थापित किए जाते हैं, कहीं चौकियां स्थापित की जाती हैं तथा पाकिस्तान इस तरह से लगातार सीमा पर कुछ न कुछ करता ही रहता है। उनका यह भी बयान है कि

16 दिसम्बर को मुम्बई में जो आतंकवादी हमला हुआ था, उसके बाद से लगातार पाकिस्तान हिन्दुस्तान को और हिन्दुस्तान की सरकार को धोखा दे रहा है और तभी से सीमा पर यह गतिविधियां शुरू हुई हैं। इस मामले को राजनीति से न जोड़ा जाए चूंकि यह देश की सुरक्षा का सवाल है, इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। महोदय, मुझे लगता है कि हमारे पड़ोसी देश की नीयत में खोट है। इसलिए वहां के लोग जब कभी हमारे प्रधानमंत्री जी से बात करते हैं तो आतंकवादियों के खिलाफ कार्यवाही की बात करते हैं। आज ही मैंने अखबार में पढ़ा कि जो मुम्बई कांड का मुख्य आरोपी है, उसके खिलाफ वहां की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जो मुकदमा दायर किया था ...(**समय की घंटी**)... उस पर से मुकदमा वापस लेने की बात हो रही है।

श्री उपसभापति: हो गया। श्री राजीव प्रताप रूडी।

श्री वीर पाल सिंह यादव: सर, हमारा समय तो अन्य सदस्यों ने ले लिया। धन्यवाद।

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान)**:** सर, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री राम नारायण साहू (उत्तर प्रदेश)**:** उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

Demand for Intervention of Government to restore disrupted road transport in Sikkim

श्री राजीव प्रताप रूडी (बिहार)**:** उपसभापति महोदय, हम बहुत चिंतित हैं कि देश के एक प्रांत सिक्किम में आवागमन अवरुद्ध हो गया है। स्वाभाविक रूप से जब एक राज्य में आने-जाने का रास्ता बंद हो जाए, तो उसके कारण वहां सप्लाइज का संकट उत्पन्न होता है, क्योंकि वह टूरिस्ट स्टेट है। महोदय, वहां पर आने-जाने का संकट उत्पन्न हो गया है। ऐसी स्थिति आखिर क्यों उत्पन्न हुई? सिक्किम जाने का एक ही मार्ग है और हम वहां सिलीगुड़ी हो कर जाते हैं। सिलीगुड़ी इस देश का महत्वपूर्ण स्थान है, जिसको हम देश में हमेशा चिकन नेक कहते हैं, जहां लगातार चार राज्यों और चार देशों के बीच का रास्ता है। वहां पर निरंतर घुसपैठ हो रही है, जिसके कारण वहां का पूरा डेमोग्राफिक प्रोफाइल बदल रहा है। साथ ही साथ सिलीगुड़ी और दार्जिलिंग में रहने वाले लोग और विशेषकर के गोरखालैंड की मांग करने वाले लोगों की हमेशा इस बात की मांग रही है। उनको कोई शौक नहीं है कि वे अपने यहां रोक लगाएं और उस रोक के कारण सिक्किम प्रभावित हो। कोई भी प्रांत नहीं चाहता है कि उनके यहां की राजनैतिक घटनाओं के कारण दूसरे प्रांत में आवागमन अवरुद्ध हो, लेकिन ऐसी परिस्थिति वहां पर है, आज सिक्किम में आवागमन अवरुद्ध है, वहां पर टूरिस्ट परेशान हैं, वहां पर शिक्षक और विद्यार्थी सभी परेशान हैं, वहां पर सप्लाइज बंद है।

गोरखालैंड की मांग बार-बार क्यों उठ रही है? हम जानते हैं कि यह गोरखाओं का सवाल है। गोरखा का विषय दुनिया में आजादी के पहले, दुनियाभर में गोरखा साम्राज्य के लोग जाकर लड़ते थे। आज स्थिति है कि गोरखालैंड में एक नेगलेक्ट की सिचुएशन बनी हुई है। वहां पर तमाम पश्चिमी बंगाल सरकार ने उत्तर बंगाल की स्थिति इतनी भयावह कर दी है और निरन्तर सूचना प्राप्त हो रही है कि जो गोरखालैंड में जीजीएम की संस्था है, उनके कार्यकर्ताओं पर पश्चिमी बंगाल की सरकार, जो भी परिस्थितियां हों, जिस कारण से हो, लगातार उन पर प्रहार कर रही है, लगातार उनको मारा-पीटा जा रहा है। आखिर, पूरे देश में गोरखा समाज के लोग रहते हैं, दिल्ली में रहते हैं, मुम्बई में रहते हैं, उनकी अपने राज्य में, उनके अपने अस्तित्व की पहचान नहीं हो पा रही है। वहां पर निरन्तर यह संघर्ष चल रहा है। आज दार्जिलिंग में, आप अगर प्रवेश करें, जो विकास की आकांक्षाएं थीं, उन विकास की आकांक्षाओं को पश्चिमी बंगाल की सरकार ने पूरा नहीं किया है। इसका परिणाम है कि निरन्तर पिछले 30 वर्ष से भारत में और लगभग एक सौ वर्षों से, क्योंकि आप पूछेंगे कि गोरखालैंड से मेरा क्या लेना-देना है, एक समय ऐसा था जब वह भागलपुर कमिश्नरी का पार्ट था, जो बिहार में है और आज वह अलग होकर पश्चिमी बंगाल में है। एक